

कृपि
IL



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

वर्ष 2018 प्रथम

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय : फलतः उत्तीर्ण
विषय कोड : 4 2 0
परीक्षा का माध्यम : हिन्दी

पुरस्तिका का क्रमांक : A - 02

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर : - 2 8 1 6 3 2 8 9 0

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

नीचे दिये गये क्रम हरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ

| | | | | | | | | |
|----|----|----|-----|-----|----|------|----|----|
| 1 | 1 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 | 8 |
| एक | एक | दो | चार | तीन | नौ | पांच | छः | आठ |

क :- पूरक उत्तर पुरस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग :- परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेंडरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक 162001

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर : श्रीमती शरिता - वैद्य

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर : [Signature]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुरस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : [Signature]

Smt. A. BISEH
M.N. 9720924

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंकों में) |
|----------------|---------------|------------------------|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |

कुल

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.8mm

3



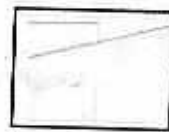
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक



शन क्र.

उत्तर 1

- (i) अंगूर की र
- (ii) श्वेत वदन र
- (iii) बीज या बूती र
- (iv) जैटोफा कारकस ।
- (v) 16

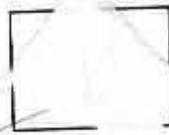
उत्तर 2

- (i) 1 फुट ।
- (ii) चिनोपोडियम अल्बम ।
- (iii) जापान र
- (iv) दक्षिणी भारत
- (v) मैसूर ।

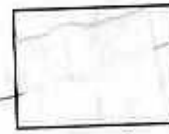
4



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर \Rightarrow 3

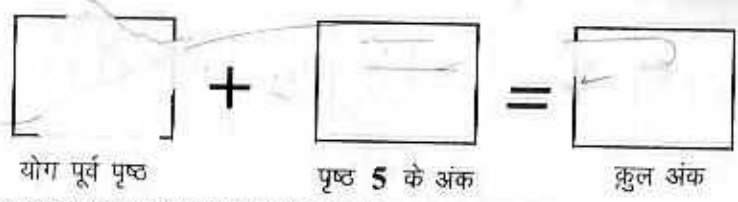
- (i) चिपचिपे ट्रैप \Rightarrow मिल्कीवाग
- (ii) इककेपस \Rightarrow अनचाहे मशरूम
- (iii) विधानिया झोनीफेरा \Rightarrow सोलेनेशी
- (iv) जेट्रोफा करकस \Rightarrow यूफोर्बियेसी
- (v) झॉष्टिकल स्क्वायर \Rightarrow यू-सर्वेक्षण

B
S
E

उत्तर \Rightarrow 4

- (i) सत्य ।
- (ii) सत्य ।
- (iii) असत्य ।
- (iv) असत्य ।
- (v) सत्य ।

5



प्रश्न क्र.

उत्तर \Rightarrow 5 (OR)

खरपतवार की विशेषताएँ -

(1) बीजोत्पादन संबंधी \Rightarrow खरपतवार में बीज उत्पादन करने की अद्भुत क्षमता होती है जैसे मकौय प्रजाति से 17800 बीज प्रतिवर्ष पैदा होते हैं।

(2) बीजों की वनावट \Rightarrow कुछ खरपतवार के बीज फसलों के बीजों के साथ मिलते-जुलते होते हैं जैसे खरसीम के बीज कॉसनी के साथ प्याज के बीज प्याजी के साथ और सरसों में सत्यनाशी के बीज।

(3) विकसित एवं बहुवारिक जड़ें \Rightarrow खरपतवार इन उपजाऊ भूमि में भी आसानी से उग जाते हैं और इनकी जड़ें जमीन में अधिक गहराई तक जाकर विकसित होती हैं।

(4) बीजों की प्रकीर्ण शक्ति \Rightarrow खरपतवार के बीजों में प्रकीर्ण की अनेक क्रियाएँ होती हैं खरपतवार के बीजों का प्रकीर्ण पौखे और हवा के द्वारा होता है।

(5) बीजों की अंकुरण क्षमता \Rightarrow खरपतवार के बीजों का वाह कपच कष्ट होता है। इनके बीज फसलों की सपेसा अधिक एवं जल्दी अंकुरित होते हैं।

B
S
E

6

$$\square + \square = \square$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 6 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर \Rightarrow 6

गन्ने का हानिकारक कीट

- (1) गन्ने का पाइरिल्वा ।
- (2) गन्ने का डोंगोला वैदक ।
- (3) गन्ने का तना वैदक ।
- (4) गन्ने का जड़ वैदक ।
- (5) दीमक ।

B
S
E

उत्तर \Rightarrow 7 (OR)

ह्लाचिंग \Rightarrow "फलों की डिखांडी से पूर्व उनको निर्धारित समय के लिए उबलते पानी में गर्म करना ह्लाचिंग या उबलते पानी का उपचार कहलाता"।

ह्लाचिंग के लाभ \Rightarrow

- (1) फलों की गंदगी दूर हो जाती है।
- (2) फलों की दुर्गंध दूर हो जाती है।
- (3) फल मुलायम हो जाते हैं।
- (4) जीवाणु संख्या कम हो जाती है।
- (5) हानिकारक और अनावश्यक पुंजाश्म नष्ट हो जाते हैं।

7



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



सं क्र.

उत्तर 38

(OR)

सहकारिता के महत्व -

(1) समानता सहकारिता में सभी सदस्यों को समानता का अधिकार प्राप्त होता है। किसी भी तरह का दबाव सदस्यों के ऊपर अथवा गैरभाव नहीं होता है।

(2) ऐच्छिक सदस्यता सहकारिता में कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से सदस्य बना सकता है।

(3) बहुत्व भाव सहकारिता में सभी सदस्य एक-दूसरे का सम्मान एवं भद्र व्यवहार का पालन करते हैं।

9



+



=



याग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर \Rightarrow 10 (OR)

खरी हरी खाद \Rightarrow "फसलों को मती-मॉति उगाने के पश्चात उनको हरी अवस्था में ही भूमि में जोतकर सड़ाने के फलस्वरूप जो खाद बनती है हरी खाद कहलाती है।"

B
S
E

हरी खाद का महत्व \Rightarrow

- 1) हरी खाद के प्रयोग से पर्यावरण फसल तथा मृदा पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है।
- 2) इसका प्रयोग अन्य रासायनिक उर्वरकों की अपेक्षा सुविधाजनक एवं सस्ता होता है।
- 3) हरी खाद से मृदा की जलधारण एवं जलशोषण क्षमता बढ़ती है।
- 4) इसका प्रयोग कृषि रसायनों द्वारा उत्पन्न समस्या के निराकरण हेतु किया जाता है।
- 5) हरी खाद से मृदा में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है।
- 6) हरी खाद के प्रयोग से भूमि की भौतिक दशा में सुधार होता है।
- 7) लाभदायक जीवाणुओं की क्रियाशीलता में वृद्धि होती है।

10



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 10 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ !!

(OR)

भारत के तीन बौद्धिकी उद्यानों के नाम निम्न हैं।

B
S

- (1) निशांत गार्डन
- (2) बालीमार गार्डन
- (3) प्रदावन गार्डन
- (4) रॉक या पिंजौर गार्डन
- (5) ताल गार्डन
- (6) मंगल गार्डन
- (7) माधव उद्यान
- (8) गांधी उद्यान
- (9) नैदरु पार्क
- (10) कमला पार्क

- उद्यान
- भीनगर
- भीनगर
- मंसूर
- चंडीगढ़
- झागरा
- नई दिल्ली
- शिवपुरी
- ग्वालियर
- इंदौर
- भोपाल

11

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 11 के अंक

=

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 312

(OR)

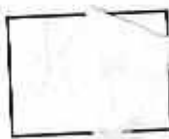
अच्छी हरियाली के लिए आदर्श स्थान की विशेषताएँ निम्न हैं।

- 1) हरियाली के लिए भूमि का तल आसपास के तल से उंचा होना चाहिए ताकि पानी न बह सके। क्योंकि पानी एकत्र होने से विभिन्न प्रकार के रोग और कीटों का प्रकोप बढ़ जाता है।
- 2) हरियाली के लिए ऐसे स्थान का चयन करना चाहिए जहाँ हवा कम से कम पड़े, अर्थात् हरियाली वाले स्थान के समीप ऊँचे मकान, ऊँचे हावादार इत आदि नहीं होने चाहिए।
- 3) हरियाली के लिए पूर्णतः खुला स्थान अच्छा रहता है।
- 4) हरियाली के लिए भूमि दोमट मृदा की अच्छी माना जाता है।
- 5) हरियाली के लिए भूमि अधिक उम्लीय एवं अधिक क्षारीय नहीं होना चाहिए।
- 6) हरियाली के लिए ऐसे स्थान का चयन करना चाहिए जहाँ से वास्तव में सौंदर्य श्रद्धि का कार्य कर सकें।

12



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर. ⇒ 13

सिंचाई

1) सिंचाई की नालियाँ
भूमि की सतह से
ऊपर बनाई जाती हैं।

2) सिंचाई से भूमि का
जल स्तर ऊपर उठता
है।

3) इस क्रिया में खेत में
पानी दिया जाता है।

4) सिंचाई नालियों की आवश्यकता
बर्ष भर होती है।

5) सिंचाई का पानी प्रयोग
करने योग्य होता है।

जल निकास

1) जलनिकास की नालियाँ
भूमि की सतह से
नीचे बनायी जाती हैं।

2) जलनिकास से भूमि का
जल स्तर नीचे
गिरता है।

3) इस क्रिया में खेत से
फालतु पानी निकास
जाता है।

4) जलनिकास नालियों
की आवश्यकता वर्षा
ऋतु में होती है।

5) जलनिकास का पानी
पीने योग्य नहीं
होता है।

B
S
E

13

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 13 के अंक

=

कुल अंक



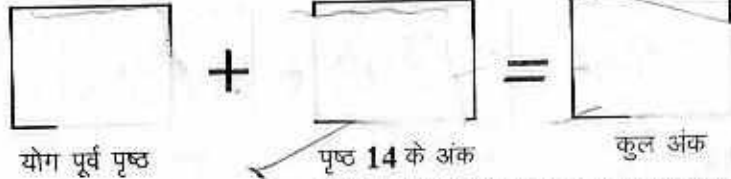
श्न क्र.

उत्तर \Rightarrow 14

नाइसोजन युक्त उर्वरकों के नाम एवं उनमें पायी जाने वाली प्रतिशत मात्रा -

| उर्वरक | प्रतिशत मात्रा |
|-----------------------------|----------------|
| ① पोटेशियम नाइट्रेट | 13% N |
| ② सोडियम नाइट्रेट | 16% N |
| ③ यूरिया | 46% N |
| ④ कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट | 26% N |
| ⑤ नाइसोड | 31% N |

14



प्रश्न क्र.

उत्तर 15 (OR)

मटर

(i) वानस्पतिक नाम एवं कुल - पाइसम टैटाइवम
लेग्युमिनेसी

(ii) किसे \Rightarrow (1) अकिल (2) वी-विले (3) अलोजी
(4) जवाहर मटर - 1 (5) जवाहर
मटर - 2 (6) जवाहर मटर - 3 (7) अलोरिडम्वर
(8) अली वजर आदि।

(iii) बीजदर \Rightarrow मटर की 60 से 120 कि.ग्रा.
प्रति हेक्टेयर बीजों की
आवश्यकता होती है।

उपज \Rightarrow मटर की लार्ने की औसत उपज
30 - 35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त
होती है।

(iv) दो रोग \Rightarrow (1) मटर का पाउडरी मिल्ड्यू -

यह एक कवकजनित रोग होता है। इसके नियंत्रण के लिए बीजाभिषेक का इस्तेमाल करते हैं।

(2) मटर का डाउनी मिल्ड्यू - यह भी एक

$$\square + \square = \square$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 15 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

कवकजनित रोग है।
इसके नियंत्रण के लिए डाइबेन 2-38 और
डाइबेन M-45 नामक दवा का इस्तेमाल करते हैं।

उत्तर क्रमांक 316

B
S
E

लैंगिक प्रसारण के गुण

- 1) पौधों के प्रजनन अंग भाग लेते हैं।
- 2) लैंगिक प्रसारण में पौधों की परागण एवं निषेचन की दोनो क्रियाएँ होती हैं।
- 3) लैंगिक प्रसारण में अधिक दुर्लभ व्यक्ति की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- 4) लैंगिक प्रसारण द्वारा पौधे कम समय में तैयार हो जाते हैं।
- 5) लैंगिक प्रसारण द्वारा पौधे तैयार करने में परिश्रम और धन कम लगता है।
- 6) इसके परिवहन में सरलता होती है।
- 7) लैंगिक प्रसारण द्वारा अर्द्ध एवं बड़े फल प्राप्त किए जा सकते हैं।



प्रश्न क्र.

उत्तर :-

(i) वानस्पतिक नाम - केला
 कुल - मूसा पैराडिसिया
म्यूसीसी

(ii) वानस्पतिक प्रसारण का प्रकार - केले का वानस्पतिक
प्रसारण लकरी
के द्वारा किया जाता है।
सर्वा दो प्रकार की होती है।

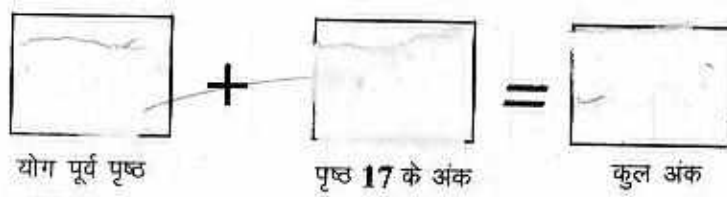
(1) तलवार लकरी
अच्छे एवं स्वस्थ होते हैं।
तलवार लकरी द्वारा उपज पौधे

(2) जल लकरी
जल लकरी द्वारा उत्पन्न पौधे
कमजोर होते हैं। इसलिये
जल लकरी का प्रयोग पौधे तैयार करने
में नहीं किया जाता है।

(iii) प्रमुख किस्में - (1) हरीहास (2) पूजन (3) लफेद वैल्की
 (4) रसवाली ।

सब्जी की किस्में - (1) हजारा (2) मुथिया (3) बहीला
 (4) रायकेला (5) मोस ।

(iv) उपज हेक्टेपर - केले की औसतन उपज 150
क्विंटल प्रति हेक्टेपर प्राप्त
होती है।



श. क्र.

उत्तर 18

शोयावीन

(i) वानस्पतिक नाम - ग्लाइसीन मैक्स।
 कुल - लैग्युमिनेसी

(ii) उत्तर किस्में

उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र - बूंग, शिवाजी
 पन्त लोया - 564 आदि

उत्तरी मैदानी क्षेत्र - अंकुर, बूंग, शिवाजी, पीके 416,
 पीके 472, पीके 327 आदि।

उत्तरी मध्य क्षेत्र - अंकुर, बूंग, गौरव, दुर्गा आदि

दक्षिणी क्षेत्र - M.A.C.S 13, पेंलीफोन आदि।

नई विकसित किस्में -

- (1) NRC-2
- (2) NRC-7
- (3) NRC-12
- (4) प्रभावी लोना
- (5) इन्दिरा लोया
- (6) पन्त लोया
- (7) PK 1029

(iii) उर्वरक (इन.पी.के. मात्रा / हेक्टेयर)

दलहनी फसल है इसलिये लोयावीन एक
 नाइट्रोजन की इसलिये लोयावीन को
 पड़ती है कि अधिक आवश्यकता नहीं
 के रूप में निम्न मात्रा दी जाती है
 प्राथमिक पदार्थ



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 18 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

| | | | |
|-----------|-------|----|-------------------------|
| नाइट्रोजन | 20 से | 30 | किग्रा. / हेक्टेयर और |
| कॉस्मोस | 60 से | 80 | किग्रा. / हेक्टेयर और |
| पोटाश | 40 से | 60 | किग्रा. / हेक्टेयर देना |
| चादिए। | | | |

(iv) इपज / हेक्टेयर \rightarrow लोयावीन की खरीफ
 लिए 75 से 80 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर और
 वसन्तकालीन लोयावीन के लिए 100 से 120
 किग्रा / बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

B
S
F

(v) इपज / हेक्टेयर \rightarrow लोयावीन की और
 प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती 30 से 35 क्विंटल

19



न क्र.

उत्तर ⇒ 19

आम

(i) वानस्पतिक नाम - मॅन्गीफेरा इंडिका
 कुल - ऐनाकार्डिएसी

(ii) दो किस्में ⇒

- शीघ्र पकने वाली जातियाँ -
- ① मुम्बई हरा
 - ② मुम्बई पीला
 - ③ गोपालभोग
 - ④ अल्कांसो
 - ⑤ जारदातू
 - ⑥ लिंगपुरी

मध्य में पकने वाली जातियाँ ⇒

- ① दशहरी
- ② सफेदा
- ③ लंगड़ी

देर से पकने वाली जातियाँ ⇒

- ① कंचन
- ② नाशपाती
- ③ रोमानी

(iii) प्रसारण का प्रकार ⇒

अर्सेनिक दोनों प्रकार का होता है। आम का प्रसारण लैंगिक एवं

लैंगिक प्रसारण ⇒ लैंगिक प्रसारण द्वारा उत्पन्न
 पौधे कमजोर होते हैं और
 इन पर बीमारियों का प्रकोप जल्दी हो
 जाता है।

20



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 के अंक

कु क

प्रश्न क्र.

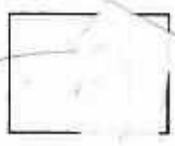
अर्लींगिक प्रसारण \Rightarrow अर्लींगिक प्रसारण करने से आम के पौधे स्वस्थ तैयार होते हैं तथा फल अधिक पुर्व बड़े प्राप्त होते हैं। आम में अर्लींगिक प्रसारण लाभदायक रहता है।

(iv) दो कीट \Rightarrow

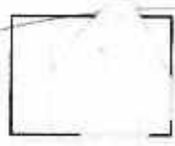
- (1) आम का मिली बग -
- (2) आम का मँगो होपर
- (3) आम का स्टोन बीविल

(v) उपज / हेक्टेयर \Rightarrow आम की औसत उपज 100 ते 125 क्विंटल / हेक्टेयर प्राप्त होती है।

21



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 21 क अंक

कुल अंक



उत्तर = 20

- (1) इसको तैयार करने के लिए गूदेदार फलों की आवश्यकता होती है।
- (2) पैकिट महत्वपूर्ण नहीं होता है।
- (3) यह अपारदर्शी होता है।
- (4) चीनी फलों की खराब के अनुसार मिलायी जाती है।
- (5) जैम में कुल विषय होते हैं 68%।
- (6) जैम के लिए अनुकूलतम तापमान 22.5°C होता है। यह गर्म या ठंडी किसी भी अवस्था में भरा जा सकता है।
- (7) जैम का प्रतिक्रम प्रतिशत अधिक होता है।

- (1) जैली तैयार करने के लिए रसदार फलों और पैकिट की आवश्यकता होती है।
- (2) पैकिट महत्वपूर्ण होता है।
- (3) यह पारदर्शी होती है।
- (4) इसमें चीनी पैकिट की मात्रा के अनुसार मिलायी जाती है।
- (5) जैली में कुल विषय होते हैं 65%।
- (6) जैली के लिए अनुकूलतम तापमान 22.5°C होता है।
- (7) यह हमेशा गर्म ही भरी जाती है।
- (8) जैली का प्रतिक्रम प्रतिशत कम होता है।